

nt>

Title: Need to take action on the matter under consideration since 1988 to provide Central Assistance of Rs. 3109 crore to the State Government of Uttar Pradesh.

डा. महादीपक सिंह शाक्य (एटा): अध्यक्ष जी, मैं एक बेहद लोक महत्व के विषय को आपके ध्यान में लाना चाहता हूँ।...

Interruptions)

MR. SPEAKER: He is a back-bencher. There is another amendment for back-benchers.

डा. महादीपक सिंह शाक्य अध्यक्ष जी, इसी हाउस में १३.७.१९८८ को एक संकल्प लाया गया था और उसमें यह कहा गया था कि पेट्रोल और डीजल पर लगाने वाली ड्यूटी, चाहे वह सैण्ट्रल एक्साइज ड्यूटी हो या कस्टम हो, उससे जो पैसा प्राप्त होगा, उसका पांच फीसदी सड़क निधि में जायेगा और उसमें से ३१०९ करोड़ रुपया उत्तर प्रदेश सरकार को केन्द्रीय सरकार देगी। ऐसा यहां एक संकल्प पारित हुआ था। उत्तर प्रदेश सरकार ने सन् १९८८ से लेकर अभी तक सैंकड़ों पत्र यहां भेजे, लेकिन अभी तक केन्द्रीय सरकार ने उसका कोई जवाब नहीं दिया। यह आज की सरकार की बात नहीं है, कई सरकारें गुजर गईं, लेकिन सन् १९८८ का मामला आज तक विचाराधीन बना हुआ है। अभी एक पत्र जो उत्तर प्रदेश से आया, इन्होंने १.९.१९९७ को उसका जवाब दिया है। जवाब में यह लिखा है कि मामला अभी अंडर कंसीडरेशन है, विचाराधीन है।

मैं आपसे कहना चाहता हूँ कि सन् १९८८ का मामला केन्द्रीय सरकार में अभी विचाराधीन है, जिसमें ३१०९ करोड़ रुपया उत्तर प्रदेश सरकार को देना था, उसका अभी तक निर्णय नहीं हुआ है। मेरा आपसे निवेदन है कि केन्द्रीय सरकार उसका तुरन्त निर्णय करे और ३१०९ करोड़ रुपया उत्तर प्रदेश को दे ताकि वहां अधूरे पड़े हुए कार्य ठीक ढंग से चलें और उत्तर प्रदेश का विकास हो।

आपने टाइम दिया, धन्यवाद।

... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आ रहा हूँ। मैं सब को बुलाऊंगा। आज सब को मौका मिलेगा।

... (व्यवधान)

डा. शकील अहमद (मधुबनी) : अध्यक्ष महोदय, यह बात ठीक नहीं है। मेरा नम्बर लिस्ट में दूसरा था, मेरा नम्बर कैसे वेव हुआ ?

MR. SPEAKER: I shall call your name also.

... (Interruptions)

डा. शकील अहमद : मेरा नम्बर दूसरा था, मेरा यह कहना है कि मेरा नम्बर कट रहा है।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Please take your seats. I will give chance to you also.

... (व्यवधान)

श्री आनन्द मोहन (शिवहर) : आज दस दिन से मैं इस बात को रेज़ कर रहा हूँ।...

Interruptions)

MR. SPEAKER: Please take your seats. I will give chance to you also.

श्री मोतीलाल वोरा (राजनांदगांव): माननीय अध्यक्ष महोदय, गुजरात में कानून और व्यवस्था की स्थिति बद से बदतर होती जा रही है।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri Prabhunath Singh, your assistance is not necessary. I can also call his name. What is this? You need not recommend his name.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Shri Anand Mohan, please take your seat. I will call your name also. What is this? Without Chair's permission, how can you speak like this?